

तूलिनी स्त्री. (तत्.) 1. लक्ष्मण कंद 2. सेमर का पेड़।

तूली स्त्री. (तत्.) 1. नील का पौधा 2. रंग भरने की कूची 3. दिए की बाती।

तूवरिका स्त्री. (तत्.) 1. अरहर 2. गोपी चंदन।

तूवरी स्त्री. (तत्.) दे. तूवरिका।

तूष पुं. (तत्.) कपड़े का किनारा।

तूष्णी स्त्री. (तत्.) मौन, खमोशी, चुप्पी वि. (तद्.) मौन-चुप क्रि.वि. चुपचाप, बिना बोले।

तूष्णीक वि. (तत्.) मौन रहने वाला।

तूष्णीम अव्यय. (तत्.) चुपचाप, बिना बोले।

तूस पुं. (तद्.) भूसी, भूसा।

तूसदान पुं. (पुर्त.) कारतूस।

तूसना स.क्रि. (तद्.) संतुष्ट करना, तृप्त करना अ.क्रि. संतुष्ट होना-तृप्त होना।

तूसा पुं. (तद्.) चोकर-भूसी।

तूसी वि. (तत्.) 1. तूस के रंग का 2. स्लेटी रंग का।

तूस्त पुं. (तत्.) 1. धूल, रज 2. अणु 3. जटा 4. धनुष 5. पाप।

तूकुटि स्त्री. (तत्.) दे. त्रिकुटी।

तूक्ष पुं. (तत्.) कश्यप ऋषि।

तूख पुं. (तद्.) जायफल, जातीफल।

तूखा पुं. (तद्.) दे. तूषा।

तूजग पुं. (तद्.) दे. तिर्यक।

तूण पुं. (तत्.) 1. तिनका 2. घासपात 3. कुश 4. दूब प्रयो. तूणवत- तिनके के बराबर, अत्यंत तुच्छ; तूण तोड़ना- संबंध तोड़ना, नाता मिटाना।

तूणक पुं. (तत्.) घास की खराब पत्ती।

तूणकीया स्त्री. (तत्.) घास वाली जमीन।

तूणता स्त्री. (तत्.) तूणवत्त, निरर्थकता।

तूणप्राय वि. (तत्.) तिनके जैसा, तूणवत।

तूणमय वि. (तत्.) घास का बना हुआ।

तूणराज पुं. (तत्.) 1. ताड़ 2. नारियल 3. खजूरा।

तूणवत वि. (तत्.) तिनके के समान।

तूणांजन पुं. (तत्.) एक प्रकार का गिरगिट।

तूणाग्नि स्त्री. (तत्.) तिनके की आग।

तूणान्न पुं. (तत्.) तिन्नी।

तूणाम्ल पुं. (तत्.) लवण-तूण।

तूणेंद्र पुं. (तत्.) ताड़ का पेड़।

तूणोक पुं. (तत्.) घासफूस की झोपड़ी।

तूणोत्तम पुं. (तत्.) उखर्वल, ऊखल, तूण।

तूणोद्भव पुं. (तत्.) तिन्नी, निवार।

तूणोल्का स्त्री. (तत्.) घास फूस की मशाल।

तूतीय वि. (तत्.) तीसरा।

तूतीयक पुं. (तत्.) तीसरे दिन आने वाला ज्वर, तिजरा 2. तीसरी बार होने वाली स्थिति।

तूतीयांश पुं. (तत्.) तीसरा भाग।

तूतीया स्त्री. (तत्.) प्रत्येक पक्ष का तीसरा दिन, तीज 2. करण कारक।

तूतीया तत्पुरुष पुं. (तत्.) तत्पुरुष समास का एक भेद।

तूतीया नायिका स्त्री. (तत्.) नायिका भेद के अनुसार अधमा या सामान्य नायिका।

तूतीयाश्रम पुं. (तत्.) तीसरा आश्रम, वानप्रस्थ।

तूपत पुं. (तत्.) चंद्रमा।

तूपता वि. (देश.) दे. तृप्त।

तूपल वि. (तत्.) 1. प्रसन्न, संतुष्ट 2. व्याकुल, बेचैन पुं. पत्थर, उपल।